B.A. Part1
Home Science

Topic : Theories of house planning

आवासीय घर की योजना बनाने में, निम्नलिखित सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। देश पांडे ने कुछ सिद्धांत दिए हैं जिनका उपयोग आवासीय योजना के लिए मार्गदर्शक के रूप में किया जा सकता है।

ये सिद्धांत हैं:

1. **पहलू:**

घर का पहलू ऐसा होना चाहिए कि यह परिवार के सदस्यों को आराम से रहने में सक्षम बनाए। पहलू का संबंध भवन के उन्मुखीकरण से है। घर की बाहरी दीवारों में दरवाजे और खिड़कियों की व्यवस्था इस तरह से होनी चाहिए कि बहुत अधिक धूप, हवा घर में प्रवेश कर सके। सभी कमरों को अच्छी तरह हवादार और दरवाजे और खिड़कियों के उचित स्थान द्वारा रोशन किया जाना चाहिए। एक

इमारत के पहलू आराम, स्वच्छता और सुखद दृश्य प्रदान करते हैं।

रसोई में बाहर से शुद्ध हवा प्राप्त करने के लिए एक पूर्वी पहलू होना चाहिए जो खाना पकाने के धुएं को दूर कर सकता है और दिन के समय में कमरा ठंडा रहता है। बेड रूम में दक्षिण पूर्व या दक्षिण पश्चिम पहलू होना चाहिए। पश्चिम में बेड रूम में एक बरामदा होना चाहिए। ताकि यह दीवारों को सीधे सूर्य की रोशनी प्राप्त करने से बचाता है। ड्राइंग रूम या लिविंग रूम में नॉर्थ ईस्ट या साउथ ईस्ट का पहलू हो सकता है।

2. ***संभावना:***

प्रॉस्पेक्ट एक घर के बाहर से दृश्य है। घर के पास एक उचित संभावना होनी चाहिए ताकि वह उसमें रहने वाले लोगों को खुश रहने की भावना दे सके। इसे उस व्यक्ति पर एक अच्छी छाप बनानी चाहिए जो इसे बाहर से देखता है। संभावना को सुखद सुविधाओं को प्रकट करना चाहिए

और घर की अप्रिय और अवांछनीय विशेषताओं को छिपाना चाहिए।

घर न केवल बाहर से आकर्षक दिखता है, बल्कि इसमें आराम, हंसमुखता, सुरक्षा, श्रम की बचत और आधुनिक दृष्टिकोण जैसे अच्छे गुण भी होने चाहिए। उदाहरण के लिए छोटे अनुमानों या बे खिड़की में एक अच्छा आउट-लुक हो सकता है और साथ ही कमरे को हवा, प्रकाश और धूप प्रदान करने में मदद करता है।

3. गोपनीयता:

आवासीय भवन की योजना बनाते समय यह एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

विज्ञापन:

गोपनीयता को तरीकों से बनाए रखा जा सकता है:

(१) बाहरी

(२) आंतरिक।

बाहरी गोपनीयता:

इसके द्वारा बनाए रखा जा सकता है:

1. दरवाजे और खिड़कियों पर स्क्रीन को ठीक करना।
2. यदि घर को राजमार्ग और सड़कों से पर्याप्त दूरी के साथ भूखंड के पीछे बनाया गया है, तो गोपनीयता को आसानी से बनाए रखा जा सकता है। घर को सड़कों के किनारे नहीं बनाना चाहिए।
3. स्क्रीन को घर के मुख्य दरवाजे पर तय किया जाना चाहिए ताकि किसी को घर के बाहरी हिस्सों का पूरा दृश्य बाहर से न दिखे।

4. मुख्य द्वार की सावधानीपूर्वक योजना बनाकर या पेड़ों या लता के साथ इसकी स्क्रीनिंग करके बाहरी गोपनीयता को बनाए रखा जा सकता है।

आंतरिक गोपनीयता:

आंतरिक गोपनीयता को बनाए रखा जा सकता है:

1. स्क्रीन का उपयोग सभी कमरों के दरवाजों में किया जा सकता है जो आसानी से एक कमरे को दूसरे से अलग कर सकते हैं। बेडरूम, बाथरूम, टॉयलेट, किचन की उचित जांच होनी चाहिए। यह संभव हो सकता है अगर सभी कमरों में स्वतंत्र पहुंच हो।

2. दरवाजा कमरे की लंबी दीवार के एक तरफ स्थित होना चाहिए।
3. गोपनीयता एकल पैनल दरवाजे द्वारा बनाए रखा जा सकता है।

4. **समूहीकरण:**

इसका मतलब है कि कमरे एक दूसरे के संबंध में व्यवस्थित होने चाहिए। विभिन्न गतिविधि क्षेत्रों को अलग किया जाना चाहिए। पब्लिक या कॉमन रूम जैसे ड्राइंग रूम, लिविंग रूम, फैमिली रूम और डाइनिंग रूम को एक साथ समूहीकृत किया जाना चाहिए। बेडरूम, अध्ययन कक्ष, ड्रेसिंग रूम और बाथरूम को सार्वजनिक क्षेत्रों से एक केंद्रीय हॉल या मार्ग से अलग किया जाना चाहिए। भोजन कक्ष रसोई के करीब होना चाहिए। ड्राइंग रूम रसोई के पास नहीं होना चाहिए। बाथरूम सभी कमरों के लिए सुलभ होना चाहिए। बच्चों का कमरा माता-पिता के कमरे के पास होना चाहिए।

5. **शयन कक्ष:**

कमरे में छोटे अनुपात का उपयोग करके कमरे का निर्माण किया जा सकता है। घर छोटा होने पर भी विशालता का

आभास पैदा किया जा सकता है। एक वर्ग कक्ष समान वर्ग मीटर क्षेत्र के आयताकार कमरे की तुलना में छोटा हो सकता है क्योंकि अनुपात में परिवर्तन होता है। अलमारी और अलमारियों को इस तरह से तय किया जाना चाहिए ताकि अंतरिक्ष का सर्वोत्तम उपयोग उपलब्ध हो सके। दीवार अलमारी में निर्मित, मामलों को दिखाने, अलमारियों से फर्श क्षेत्र की अधिक भीड़ से बचने में मदद मिलती है। विंडो सेल के नीचे की जगह का इस्तेमाल स्टोरेज के लिए किया जा सकता है। रसोई में दीवार अलमारियाँ पर्याप्त भंडारण स्थान प्रदान करती हैं। किचन गार्डन और बरामदा इतना समतल होना चाहिए कि वे एक साथ अंतरिक्ष की निरंतरता प्रदान करें।

6. ***स्वच्छता:***

परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य घर की स्वच्छता स्थिति पर निर्भर करता है। घर में उचित प्रकाश व्यवस्था,

वेंटिलेशन, सफाई और अन्य स्वच्छता के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। सभी कमरों को अच्छी तरह से रोशन किया जाना चाहिए और अच्छी तरह हवादार होना चाहिए। क्रॉस वेंटिलेशन के लिए कमरे की विपरीत दीवार पर खिड़कियां होनी चाहिए। एक खिड़की के बजाय, कमरे की विभिन्न दीवारों में दो से तीन खिड़कियां होनी चाहिए ताकि सभी कमरों को पर्याप्त रोशनी और हवा मिल सके।

7. लचीलापन:

इसका मतलब है कि कमरे में बहुउद्देश्यीय उपयोग हो सकता है। जब जगह की कमी होती है, तो कमरे का लचीलापन महत्वपूर्ण हो जाता है। उदाहरण के लिए एक लिविंग रूम को रात में बेडरूम में बदला जा सकता है। रसोई में खाना पकाने और भोजन दोनों के उद्देश्यों को पूरा करना चाहिए। बेड रूम का उपयोग स्टडी रूम के रूप

में किया जा सकता है। फ्लैट्स में रहने वालों के लिए लचीलापन महत्वपूर्ण है।

8. ***संचारः***

कमरों के बीच आसान संचार आवासीय घर में सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है। यह दरवाजे, हॉल और सीढ़ी के मामलों के उचित स्थान द्वारा संभव हो सकता है। दरवाजे को इस तरह से रखा जाना चाहिए कि हम कमरे के केंद्र को पार किए बिना आगे बढ़ सकें। कमरे में मार्ग फर्नीचर की व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। हर कमरे की गोपनीयता के लिए एक सीधा, छोटा और अलग रास्ता बहुत महत्वपूर्ण है। यह काम करने में गड़बड़ी से बचने में मदद करता है। आसान संचार या

संचलन घरेलू गतिविधियों को करने वाले सदस्यों के आंदोलनों को कम करने में मदद करता है।

9. व्यावहारिक विचार:

घर बनाते समय व्यावहारिक विचार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सफाई और रखरखाव की आसानी को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जबकि फर्श और दीवारों के लिए खत्म करने का निर्णय लिया जाता है। सजावटी टुकड़ों की तुलना में चिकनी और अखंड सतहों को आसानी से साफ किया जा सकता है। घर के आस-पास के परिवेश को ध्यान से देखना चाहिए। ये बगीचे, आंगन या पिछवाड़े हैं। घर को सुंदर बनाने के लिए घर के आसपास का बगीचा महत्वपूर्ण है। घर के पीछे किचन गार्डन की योजना बनाई जा सकती है, जिससे घर में उगाई गई सब्जियां और फल मिल सकें।

आंगन घर के सामने संलग्न मैदान है जहां फूलों के पौधे लगाए जा सकते हैं। पानी के लिली या कमल के पौधों के साथ छोटे टैंक और इसे आकर्षक बनाने के लिए एक

फव्वारा प्रदान किया जा सकता है। पिछवाड़े घर के पीछे संलग्न जगह है। यह साफ रखा जाना चाहिए और कुछ घरेलू गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। घर की योजना बनाने में, परिवार के सदस्यों की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

Lecture :25

डॉ बन्दना कुमारी

गृह विज्ञान विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह कॉलेज, सहरसा

Topic: Theories of house planning